चूंकि, मैंने अपनी पहली हिंदी फिल्म मेरे डैड की मारुति में गर्ल नेक्स्ट डोर वाली भूमिका निभाई थी, सो मेरी ऐसी तस्वीरों को पचा पाना लोगों के लिए थोड़ा मुश्किल हो रहा है.

यहां ग्लैमरस दिखना जरूरी

कहावत है कि जब सीधी उंगली से घी नहीं निकले, तो उंगली टेढ़ी करना जरूरी हो जाता है. बॉलीवुड में यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है. अब टीवी की ही उदाहरण लीजिए. इस अभिनेत्री को जब दो-तीन फिल्में करने के बाद भी इंडस्ट्री में दाल गलती नजर नहीं आई तो उन्होंने ऐसी बोल्ड तस्वीरें खिंचवा कर सोशल मीडिया पर डाल दी और देखते ही देखते सुर्खियों में आ गयी. हालांकि, इस कदम से उन्हें क्या और कितना प्रोफेशनल फायदा मिलने वाला है, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन वह लाइमलाइट में आकर बेहद खुश हैं. पेश हैं उनसे एक बातचीत के प्रमुख अंश-

सबसे पहले आप अपने बारे में कुछ बताएं.

- मैं मूल रूप से हिदू बंगाली फैमिली से संबंध रखती हूं. मैंने स्कूली शिक्षा हरियाणा से पूरी की. स्कूली दिनों से ही मेरी कुछ अलग करने की इच्छा थी, क्योंकि मैं काफी हद तक टॉम ब्वाय जैसी थी. इसकी वजह मेरी फैमिली बैकग्राउंड का आर्मी कल्चर से जुड़ा होना भी रहा. इसी कारण से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद से ही अपने शौक को पूरा करने के इरादे से आगे बढ़ गई.

कहीं, करियर को पटरी पर लाने के इरादे से ही तो आपने बोल्ड फोटो सेशन नहीं करवाया.

-क्या बोल्ड सेशन करवाने वाली मैं बॉलीवुड की पहली या इकलौती अभिनेत्री हूं. आप भूल रहे हैं कि बॉलीवुड में वही बिकता है, जो दिखता है. वैसे भी बॉलीवुड में टिके रहने के लिए छुइ मुइ नहीं, बल्कि ग्लैमरस दिखना जरूरी है. मुझसे पहले भी कई स्थापित नायिकाओं ने ऐसा बोल्ड फोटो सेशन करवाया है. चूंकि मैंने अपनी पहली हिंदी फिल्म मेरे डैड की मारुति में गर्ल नेक्स्ट डोर वाली भूमिका निभाई थी, सो मेरी ऐसी तस्वीरों को पचा पाना लोगों के लिए थोड़ा मुश्किल हो रहा है लेकिन, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हर कोई बनी बनाई इमेज से बाहर आना चाहता है.

एम टीवी टीन दिवा की विजेता बनने के बाद अभिनय की राह पकड़ने से पहले तक आप वी.जे. भी रही हैं. इनमें से सबसे रोचक काम क्या रहा है.

-फिल्मों ने मुझे जिंदगी और मौजूदा दौर को अच्छे से समझने का मौका दिया है. सोनाली केबल में मेरा किरदार जो मुंबई के वर्ली गांव में रहता है, मेरी असल जिंदगी जैसा नहीं था. जिसके चलते काफी चुनौतीपूर्ण था. उस किरदार के लिए तैयारी करते समय मुझे रोजाना नई बाते सीखने को मिलती थी.

आपने अपने अनुभवों से क्या सीखा है.

-मैं फिल्म मेकिंग की बारीकियों को सीखने का काफी प्रयास कर रही हूं. फिलहाल मैं इतना तो समझ गयी हूं कि जरूरी नहीं है कि आपकी एक के बाद एक फिल्म आए ही. फिल्मों के बीच के फासले की अपनी अहमियत होती है. हालांकि दो फिल्मों के बीच के फासले पर कभी-कभी बुरी तरह झल्ला देने वाले होते हैं.

आपका सपोर्ट सिस्टम कौन है.

-मेरे माता-पिता (इंद्रजीत और संध्या चक्रवर्ती) का सपोर्ट मुझे हमेशा मिलता है. वह मुझे हकीकत के धरातल पर बनाए रखते हैं. जब मैं घर जाती हूं, तो वहां एक आम लड़की जैसी ही होती हूं. मुझे अपने माता-पिता के साथ रहकर सुकून मिलता है. और सामान्य होने में मदद मिलती है.

बैंक चोर, हाफ गर्लफ्रेंड और दोबारा में छोटी भूमिकाओं के लिए हां कहते समय हिचकिचाई नहीं.

-मैं किसी भी रोल को इसलिए नहीं नकारुंगी कि वह छोटा है या बड़ा. मुझे जो भूमिकाएं अच्छी लगेंगी, उन्हें जरूर स्वीकार करूंगी. दरअसल, कई बार छोटा रोल भी बड़ा काम कर जाता है, जबकि कई बड़ी भूमिकाएं भी बेकार साबित होती हैं.

आपने अपने शरीर पर भी काफी मेहनत की है. आपका वर्कआउट प्लान कैसा है.

-मेरा वर्कआउट प्लान मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, योग, बूट कैम्प और क्रासफिट का मिश्रण है चूंकि मैं बंगाली हूं, इसलिए मुझे खाने पीने का बेइंतहा शौक है लेकिन, अतिरिक्त कैलोरीज को बर्न तो करना ही होगा. इसके अलावा मुझे डांसिंग भी पसंद है. हाल ही में मैंने बैले डांसिंग का कोर्स किया है. उसके पहले मैं पोल डासिंग सीख चुकी हूं.

फिल्म इंडस्ट्री के लिए बाहरी होने के कारण यहां जगह बनाना कितना मुश्किल रहा.

-हां, मैं किसी फिल्मी परिवार से नहीं हूं, लेकिन पता नहीं क्यों सबको लगता है कि मैं मिथुन चक्रवर्ती की कोई रिश्तेदार हूं. जब मैंने अपनी पहली फिल्म मेरे डैड की मारुति की थी, तब मैं वी.जे. भी थी, इसलिए फिल्म में अभिनय से संबंधित ट्रेनिंग के लिए वक्त नहीं मिला था. उस फिल्म की शूटिंग के बाद मैंने ट्रेनिंग ली थी. मैंने पुडुचेरी के आदिशक्ति थिएटर ग्रुप से दो महीनों की ट्रेनिंग ली थी.

-कुशाग्र

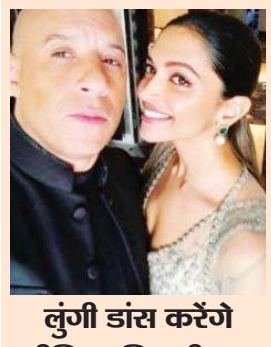

लुंगी डांस करेंगे दीपिका-विन डीजल

फिल्म ट्रिपल एक्स रिटर्न ऑफ जैंडर केज के डायरेक्टर जी.जे. कारस कह चुके हैं कि वह इसके सीक्वेल के लिए भी दीपिका पादुकोण को साइन करने के इच्छुक हैं और हाल ही में उसने कहा कि वह अपनी अगली फिल्म में दीपिका पर बॉलीवुड स्टाइल का एक गीत भी फिल्माने की सोच रहा है. गत वर्ष दीपिका को ट्रिपल एक्स सीरीज की अगली फिल्म में लेने की घोषणा कर चुका यह निर्देशक कहता है, मैं फिल्म को एक बॉलीवुड सॉन्ग के साथ खत्म करना चाहूंगी. लुंगी डांस या हम कुछ नया करेंगे.

कैट-शाहरुख-सलमान की दोस्ती

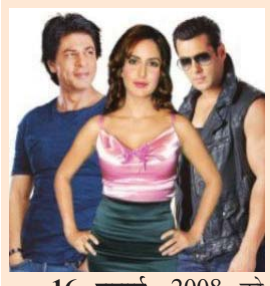

16 जुलाई, 2008 को कैटरीना कैफ के जन्मदिन की पार्टी में सलमान खान तथा शाहरुख खान में झगड़ा हो गया. जिसकी वजह आज भी एक बड़ा रहस्य है. पार्टी में दोनों में हुई बहस को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगती रही हैं. सलमान तथा शाहरुख दोनों ने इस बारे में आज तक चुप्पी धारण कर रखी है. एक दशक गुजर जाने के बाद अब वह बात भुला दी गई है. दिलचस्प है कि शाहरुख तथा सलमान दोनों ही अब कैटरीना के बेहद करीब हैं जिसकी जन्मदिन की पार्टी में ही उन दोनों के बीच वह वाकया घटित हुआ था.

बॉलीवुड का बदला रुझान, नायिका हुई प्रधान

हालांकि बॉलीवुड में पहले भी महिलाओं को केंद्र में रखकर फिल्में बनती रही हैं परंतु अक्सर देखा गया है कि उन फिल्मों में महिलाओं के किरदार बहुत घरेलू, दब्बू, हमेशा त्याग को तैयार हालात की मारी बेचारी नारी के हुआ करते थे. आज हालात बहुत कुछ बदल चुके हैं. आज बिल्कुल नायक की तरह अभिनेत्रियों के लिए भी नायिका प्रधान फिल्में लिखी तथा बनाई जा रही हैं जो एक सकारात्मक परिवर्तन है. हाल के समय में रिलीज हुई तथा आने वाले समय में दर्शकों को दिखने वाली कुछ महिला प्रधान फिल्मों का विवरण यहां पेश है.

वीरे दी वैडिंग

एकता कपूर, रिया कपूर तथा निखिल द्विवेदी निर्मित वीरे दी वेडिंग पूरी तरह से महिला के किरदारों पर आधारित फिल्म थी. इसमें चार सहेलियों की कहानी दिखाई गई थी जो एक विवाह समारोह में शिरकत करने आती हैं और वहां बहुत उन्मुक्त होकर विचरण करती हैं. यह फिल्म पूरी तरह से महिला केंद्रित है जिसमें मुख्य भूमिकाओं में करीना कपूर खान, सोनम कपूर आहूजा, स्वरा भास्कर तथा शिखा तल्सानिया हैं. इसे शशांक घोष ने निर्देशित किया है.

हैप्पी फिर भाग जाएगी

2016 में आई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हैप्पी भाग जाएगी के सीक्वेल में इस चार डायना पेंटी के साथ सोनाक्षी सिन्हा दिखाई देंगी. इस फिल्म के साथ पंजाबी गायक जस्सी गिल भी बॉलीवुड में अपना डेब्यू करेंगी. जब हैप्पी भाग जाएगी रिलीज हुई थी, तो उससे बहुत कम अपेक्षाएं थी परंतु फिल्म आगे चलकर एक स्लीपर हिट साबित हुई थी. इसी कारण इसके सीक्वेल से दोगुनी अपेक्षाएं की जा रही हैं. इसमें सोनाक्षी जैसे बड़े स्टार को जोड़ना इसे और आगे ले जाएगा. यह फिल्म छोटे शहरों की ऐसी लड़कियों के बारे में है जिनकी अपनी सोच है और जिनकी बिल्कुल हट के सैंस ऑफ ह्यूमर है. इस महिला प्रधान फिल्म को मुदस्सर अजीज निर्देशित करेंगे.

कुछ अन्य महत्वपूर्ण फिल्में

मॉम (2017), लिपस्टिक अंडर माई बुरका (2018), तुम्हारी सुलू (2017), नीरजा (2016), एन.एच. 10 (2015), हाईवे (2014), कहानी, 2012, तनु वैड्स सीरीज (2012), तथा 2015, इंगलिश विंगलिश (2012), क्वीन (2014), पीकू, 2015, तथा द डर्टी पिक्चर (2011)

हिचकी

इसी वर्ष सिध्दार्थ पी.मल्होत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी ने एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया था, जो टूरेट्स सिंड्रोम से पीड़ित है. जिसमें व्यक्ति लगातार हिचकियों का शिकार रहता है. इसमें रानी के एक टीचर का किरदार निभाया था, जो टूरेट्स सिंड्रोम से पीड़ित होते हुए भी विपरीत परिस्थितियों पर जीत हासिल करती है.

दास देव

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के कालजयी उपन्यास देवदास पर आधारित यह राजनीतिक ड्रामा फिल्म उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित थी. यह फिल्म क्लासिक देवदास के विपरीत बिल्कुल एक अलग तरह की कहानी है, जिसे आधुनिकता का टच दिया गया है.

इस फिल्म में देवदास तथा पारो के रिश्ते को आधुनिक युग की चंद्रमुखी यानी चांदनी की नजरों से दिखाया गया है. इस फिल्म में रिचा चड्ढा ने पारो का किरदार निभाया है. जो एक राजनीतिक हस्ती है. वह एक उपनगर की लड़की से एक महत्वाकांक्षी महिला के रुप में परिवर्तित होती है. उसका लव अफेयर देव के स्थान पर राजनीति से है क्योंकि देव भी एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से है. इस फिल्म में पेश किए गए महिला किरदार अपने आप में बहुत विलक्षण और प्रभावशाली हैं.

राजी

बाक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही हरिन्द्र सिक्का के नॉवेल कॉलिंग सहमत पर आधारित मेघना गुलजार निर्देशित इस फिल्म में एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार से आई एक लड़की की कहानी थी, जिसका विवाह एक पाकिस्तानी फौजी के साथ कर दिया जाता है और जो आगे चलकर भारत के लिए जासूसी करती है. यह फिल्म इस मायने में लीक से हटकर थी क्योंकि यह अपनी नायिका को एक बिल्कुल अलग परिप्रेक्ष्य में दिखाती है. आलिया का सहतम का किरदार एक ऐसी युवती का है जिसका वैवाहिक जीवन एक तरफ है और देश के लिए जासूसी करना उसके किरदार का बिल्कुल एक अलग पहलू है. यह किरदार महिलाओं को फिल्मों में सशक्त ढंग से पेश करने का एक सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है.

विराट-अनुष्का :

एक-दूजे को देंगे 21 दिन

दिसंबर 2017 में एक दूसरे के साथ विवाह के बंधन में बंधे विराट कोहली तथा अनुष्का शर्मा शादी के बाद भी अपने -अपने करियर में व्यस्त रहे हैं और एक दूसरे के लिए बड़ी मुश्किल से समय निकाल रहे हैं.

हाल ही में उन दोनों ने इस बारे में बात की और यह फैसला किया है कि अपने वर्क-लाइफ बैलेंस के लिए वे दोनों हर साल एक-दूजे के लिए कुछ दिन तय करेंगे. जब वे अपने बीच किसी काम को आड़े नहीं आने देंगे.

इसी फैसले के तहत दोनों ने हर साल 21 दिन एक-दूजे के लिए फिल्म करने की योजना बनाई है. दोनों का मानना है कि अपनी अपनी व्यस्तता के कारण वे एक-दूसरे के लिए उतना वक्त नहीं निकाल पा रहे, जितना कि उन्हें निकालना चाहिए. जहां अनुष्का आए दिन अपनी फिल्मों के सिलसिले में व्यस्त रहती हैं वहीं विराट भी क्रिकेट मैचों के चलते अधिकतर वक्त बाहर ही रहता है. ऐसे में अपनी रिलेशनशिप को मजबूत रखने के लिए दोनों ने यह फैसला लिया है. अनुष्का गत दिनों विराट के साथ उनके मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका गई थीं, परंतु कुछ वक्त बाद ही उसे फिल्म जीरो की शूटिंग के लिए लौटना पड़ा था.

शादी के बाद से विराट लगातार अपनी टीम के साथ क्रिकेट मैंचों में बिजी रहा है तो अनुष्का भी अपनी फिल्मों जीरो तथा सुई धागा की शूटिंग तथा अपने ब्रांड्स के प्रमोशन में बिजी रही हैं. ऐसे में दोनों का ही मानना है कि कम से कम 21 दिनों की छुट्टियां हर साल उनके लिए अनिवार्य हैं.

इन दिनों विराट आयरलैंड के साथ क्रिकेट मैंचों के लिए यू.के. में हैं और अनुष्का भी उसके पास पहुंच गई हैं. क्योंकि इसी महीने उसके पास कुछ वक्त है. अगस्त में उसकी फिल्मों की शूटिंग तथा अन्य व्यस्तताएं फिर से चालू हो जाएंगी. ऐसे में अनुष्का जुलाई का महीना सिर्फ और सिर्फ विराट के साथ बिताना चाहती हैं.

दोनों ने हर साल कम से कम 21 दिन एक साथ बिताने का जो फैसला लिया है उसके लिए अगले साल से दोनों में से किसी एक-दूसरे की व्यस्तता के हिसाब से अपना शैड्यूल एडजस्ट करना होगा जिसके लिए दोनों तैयार हैं.